

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर

विशाल खण्ड-4, गोमती नगर, लखनऊ

संख्या-


दिनांक 15.02.2025

सूचना -150

जन्मकुण्डली फलादेश के लिए एक अभिनव कार्यशाला का आयोजन दि. 24 फरवरी से 2 मार्च 2025 तक ज्योतिषशास्त्र विद्याशाखा, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर द्वारा होना सुनिश्चित हुआ है। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न भागों से प्रतिभागी भाग ग्रहण करेंगे। यह कार्यशाला ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से आयोजित की जायेगी। इस कार्यशाला के द्वारा फलित ज्योतिष में विशेषज्ञता प्राप्त हो सकेगा। विशेष जानकारी हेतु ज्योतिषशास्त्र विद्याशाखा के संयोजक डा. हरिनारायणधर द्विवेदी से मोबाईल नं. 8894101015 पर सम्पर्क कर सकते हैं। गूगल फार्म लिंक <https://forms.gle/pxVKngrxPsFWxoh9> इस पर आवेदन किया जा सकता है।

कार्यशाला में निम्नलिखित विषयों पर चर्चा होगी-

- 1 ग्रहों का दृष्टिविचार।
- 2 ग्रहों और भावों के शुभाशुभ संज्ञा कथन।
त्रिकोणेश की शुभता और त्रिषडायेश की अशुभता विचार।
- 3 केन्द्रेण का शुभत्व और अशुभत्व विचार।
धनभाव और व्यय भाव का विशेष फल विचार।
- 4 आयु/मारक भाव का फलविचार।
केन्द्रभावाधिपत्य दोष विचार।
- 5 केन्द्राधिपति पापग्रह का विशेष फल विचार।
राहुकेतु का फल विचार।
- 6 केन्द्रेण कोणेश सम्बन्ध से राजयोगकथन।
योग के फल प्राप्ति का समय विचार।
- 7 आयु विचार।
- 8 मारकदशा विचार।
दशा फल विचार।
- 9 केन्द्रस्थ त्रिकोणस्थ राहुकेतु फलविचार।
- 10 मिश्रकाध्याय विचार।


(प्रो. सर्वनारायण झा)
निदेशक

प्रतिलिपि -

- 1 सभी को सूचनार्थ
2. प्रो गुरुचरण सिंह नेगी, सह-निदेशक एवं सह-संयोजक, IQAC
3. कार्यशाला सञ्चिका
4. वेबसाइट पर अपलोड हेतु श्री मुकुल कुमार मिश्र, तकनीकी सहायक
5. श्री संतोष कुमार, एमटीएस
6. श्री सचिन कुमार शुक्ल, डीईओ को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ
7. सम्बद्ध सञ्चिका
8. सूचना सञ्चिका